परियोजना डेटा शीट का यह हिन्दी अनुवाद इसके अंग्रेजी संस्करण दिनांक 22 अक्टूबर, 2015 पर आधारित है।

ADB ASIAN DEVELOPMENT BANK

एशिया विकास बैंक

भारत : पारंपरिक उद्योगों के पुनर्जनन हेतु निधि की स्कीम हेतु सहायता

| | |
|---|---|
| परियोजना का नाम | पारंपरिक उद्योगों के पुनर्जनन हेतु निधि की स्कीम हेतु सहायता |
| परियोजना संख्या | |
| देश | भारत |
| परियोजना स्थिति | अनुमोदित |
| परियोजना प्रकार/सहायता की विधि | तकनीकी सहायता |
| निधीयन का स्रोत/राशि | टीए 8787–आईएनडी : पारंपरिक उद्योगों के पुनर्जनन हेतु निधि की स्कीम हेतु सहायता<br>तकनीकी सहायता विशेष निधि 225,000 अमेरिकी डालर |
| रणनीतिक कार्यसूची | समावेशी आर्थिक विकास |
| परिवर्तन के प्रेरक | ज्ञान समाधान<br>भागीदारियां |
| सेक्टर/उप–सेक्टर | सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन – राज्य स्वाधिकृत उद्यमों के सुधार |
| लैंगिक समानता और मुख्यधारीकरण | लैंगिक समानता |
| विवरण | ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां स्कीम आरंभ करने से पहले और विकास की जरूरत है, क्योंकि स्फूर्ति के मूल अथवा विस्तारित स्वरूप की विरचना के समय इन पहलुओं का अध्ययन नहीं किया गया था :<br>(i) पारंपरिक सेक्टरों में निजी प्रतिभूति हित का कोई पूर्व प्रमाण नहीं है तथा संभावित निजी भागीदारों की बाजार संभावनाओं का उपक्रम नहीं किया गया था ;<br>(ii) राजस्व माडल अनिश्चित है क्योंकि समूहों की नकदी प्रवाह की शक्ति निर्धारण के लिए बाजार अनुसंधान नहीं किया गया है ;<br>(iii) यह अनिश्चित है कि निजी सेक्टर के दावेदार समूह एसपीवी'ज में बाध्यता व्यवसाय की स्थिति के बिना अल्प हिस्सेदारी हासिल करने में क्यों और कैसे रूचि दर्शाएंगे ;<br>(iv) यद्यपि कुछ मामलों में रूचि की संभावना विद्यमान हो सकती है जहां बड़े दावेदार समूह एसपीवी'ज द्वारा विकसित उत्पादों (जैसेकि कृषि उत्पाद) को अपनी मूल्य श्रृंखला में समाहित कर सकते हैं, जो सभी उत्पादों के लिए |

| | |
|---|---|
| | होने की संभावना नहीं है ;<br>(v) यह स्पष्ट नहीं है कि क्या स्कीम के तहत सोचे गए हस्तक्षेप आशयकृत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यथेष्ट होंगे ;<br>(vi) निजी सेक्टर की नोडल अभिकरण के रूप में काम करने की वचनबद्धता स्पष्ट नहीं है क्योंकि प्राथमिक दृष्टि में यह मजबूत व्यवसाय मामला प्रतीत नहीं होता है ; तथा<br>(vii) भूमि के प्रतिस्पर्धी उपयोगों के चलते, उदाहरण के लिए यह अनिश्चित है कि निजी पार्टियां, नोडल अभिकरणों के रूप में भूमि इस पहल के लिए क्यों समर्पित करेंगे जहां प्रतिफल अनिश्चित हैं, जैसाकि स्कीम में रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।<br>उपरोक्त अनिश्चितताओं के चलते, सेक्टर को समझना और निजी सेक्टर की भागीदारी के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना और सुधार की दृष्टि से वर्तमान व्यवस्थाओं का विश्लेषण किया जाना आवश्यक है। निजी सेक्टर की सीएसआर के प्रति वचनबद्धता की भी जांच की जाने की जरूरत है। राजस्व माडल को समझे जाने तथा भिन्न परिदृश्यों में नकदी प्रवाह की शक्ति निर्धारण के लिए बाजार का आकलन करने की जरूरत है।<br>उपरोक्त के दृष्टिगत, यह भी उच्चालोकित किया जा सकता है कि ग्रामीण शिल्पकारों की वाणिज्यिक रूप में कार्य करने की समझ तथा उसके महत्व की समझ सीमित होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण एवं पारंपरिक सेक्टरों की स्कीमों हेतु सहायता हेतु एशिया विकास बैंक का भी अनुभव सीमित है। उदाहरण के लिए खादी सुधार और विकास कार्यक्रम, जिसमें कार्यान्वयन की अहम चुनौतियां हैं। |
| परियोजना तर्काधार और देश/क्षेत्रीय रणनीति के साथ संबद्धता | पारंपरिक ग्राम उद्योगों के विकास में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ऊर्जावान बनाने की उल्लेखनीय क्षमता मौजूद है और यह प्रस्तावित स्कीम प्रौद्योगिकी समुन्नयन तथा विपणन सहायता द्वारा इस क्षमता को वास्तविक स्वरूप प्रदान करने हेतु तैयार की गई है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एमएसएमई'ज तथा ग्राम उद्योगों द्वारा रोजगार जनन तथा उत्पादन में दीर्घकालिक प्रगति की प्रवृत्ति रही है।<br>वित्तीय वर्ष 2007 – वित्तीय वर्ष 2011 के दौरान एमएसएमई'ज की संख्या में 19.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा इनमें रोजगार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या 60 मिलियन से बढ़कर 70 मिलियन तक पहुंच गई है। इस प्रकार यह स्कीम खाद्य उत्पादों, हस्तशिल्पों तथा चर्म सामग्री में अधिकांशतः महिला ग्रामीण शिल्पियों की प्रतिभा एवं सृजनशीलता में सहायक है। |
| प्रभाव | उपयुक्त रूप से डिजाइन की गई परियोजना जो भारत में सरकार के स्फूर्ति कार्यक्रम की सहायता करती है। |
| परियोजना परिणाम | |
| परिणाम का वर्णन | स्फूर्ति के लिए प्रस्तावित परियोजना हेतु एक अच्छी तरह तैयार किया गया व्यवसाय कार्य जो लिंग–आधारित तथा बाजार–संबंधित सेक्टर चुनौतियां दर्शाती है। |
| परिणाम की दिशा में प्रगति | |

| | |
|---|---|
| कार्यान्वयन प्रगति | |
| परियोजना आउटपुट्स का विवरण | 1. पारंपरिक उद्योगों में समूह एसपीवी परिचालन हेतु व्यवहार्य विकल्पों की पहचान की गई<br>2. समूह एसपीवी'ज पर अध्ययन पूरे किए गए |
| कार्यान्वयन की स्थिति<br>प्रगति (आउटपुट्स, गतिविधियां तथा मुद्दे) | |
| भौगोलिक अवस्थिति | |
| पर्यावरण और सामाजिक पहलुओं का संक्षिप्त विवरण | |
| पर्यावरण पहलू | |
| अस्वैच्छिक<br>पुनर्वास | |
| स्वदेशी लोग | |
| स्टेकहोल्डर संचार, प्रतिभागिता और परामर्श | |
| परियोजना<br>डिजाइन के<br>दौरान | |
| परियोजना कार्यान्वयन के दौरान | एस–पीपीटीए का कार्यान्वयन एक वर्ष की अवधि (जनवरी – दिसम्बर 2015) में दक्षिण एशिया लोक प्रबंधन वित्त सेक्टर तथा व्यापार प्रभाग (एसएपीएफ) और इंडिया रेजिडेंट मिशन (आईएनआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसके लिए एसएपीएफ और आईएनआरएम प्रत्येक से एक अंतरराष्ट्रीय स्टाफ और एसएपीएफ अथवा आईएनआरएम से एक प्रशासनिक स्टाफ की जरूरत होगी। कंसल्टैंसी द्वारा चार व्यक्तिगत परामर्शदाताओं की नियुक्ति एक वर्ष की अवधि में रूक–रूक कर काम करने के लिए, कुल 16. 5 व्यक्ति माह के लिए की जाएगी।<br>(iv) निजी सेक्टर प्रतिभागिता, जिसमें भारत के ग्रामीण सेक्टर में संभव अनुसार सार्वजनिक निजी भागीदारियां शामिल हैं। परामर्शदाताओं के विचारार्थ विषयों की रूपरेखा परिशिष्ट 3 में दी गई है। सभी परामर्शदाता एशिया विकास बैंक के परामर्शदाताओं का उपयोग संबंधी दिशानिर्देश (2013, समय समय पर संशोधित) के अनुसार अनुबंधित किए जाएंगे। तकनीकी सहायता के अंतर्गत सभी संवितरण एशिया विकास बैंक की तकनीकी सहायता संवितरण पुस्तिका (2010, समय समय पर संशोधित) के अनुसार किए जाएंगे।<br><br>परामर्शदाताओं से व्यवसाय रणनीति और निजी सेक्टर की प्रतिभागिता हेतु विकल्पों के बारे में सुझाव मांगने के लिए स्टेकहोल्डर परामर्श सेमिनार भी आयोजित किए जाने की आशा की जाती है।<br>परामर्शदाता रिपोर्ट्स की समीक्षा आगामी परियोजना के ईए तथा आईए'ज, नामतः एमएमएसएमई, तथा केवीआईसी और कयर बोर्ड क्रमानुसार द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगीर। ईए तथा आईए'ज, द्वारा मिशन के साथ मिलकर आगामी परियोजना का डिजाइन संयुक्त रूप से तैयार किया जाएगा। |

| व्यवसाय अवसर | |
|---|---|
| परामर्शी सेवाएं | एशिया विकास बैंक चार विशिष्ट राष्ट्रीय परामर्शदाता, एक टीम लीडर सहित, 6 माह की अवधि के लिए परामर्शिता हेतु भर्ती करेगा। परामर्शदाता निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता धारक होंगे (i) ग्रामीण तथा पारंपरिक उद्योग ; (ii) वित्त और निजी सेक्टर विकास ; (iii) व्यवसाय रणनीति और विपणन ; तथा (iv) निजी सेक्टर प्रतिभागिता, जिसमें भारत के ग्रामीण सेक्टर में संभव अनुसार सार्वजनिक निजी भागीदारियां शामिल हैं।<br>भर्ती किए गए परामर्शदाता विशिष्ट रूप से विशेषज्ञता के वांछित क्षेत्रों में करीब 10 वर्ष का व्यवसायिक अनुभव तथा वित्त, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विकास और वयवसाय रणनीति मे कम से कम मास्टर स्तर की शिक्षा के धारक होना अपेक्षित होंगे। प्रशासनिक बोझ कम करने के लिए तथा अर्थव्यवस्था और दक्षता तथा धन हेतु मूल्य के सुधार हेतु तकनीकी सहायता के तहत सभी परामर्शी सेवाएं आउटपुट आधारित (एकमुश्त) संविदाओं पर अनुबंधित की जाएंगी। |
| प्रापण | लागू नहीं |

| | |
|---|---|
| जिम्मेदार एडीबी अधिकारी | विवेक राव |
| जिम्मेदार एडीबी विभाग | दक्षिण एशिया विभाग |
| जिम्मेदार एडीबी प्रभाग | लोक प्रबंधन, वित्तीय सेक्टर तथा व्यापार प्रभाग, एसएआरडी |
| निष्पादक अभिकरण | सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय<br>आएम सं. 275–डी, उद्योग भवन, नई दिल्ली–110001 भारत |

| समयसारणी | |
|---|---|
| अवधारणा मंजूरी | 24 फरवरी 2015 |
| तथ्य अन्वेषण | 25 फरवरी 2015 से 14 मार्च 2015 |
| एमआरएम | - |
| अनुमोदन | 12 दिसम्बर 2014 |
| अंतिम समीक्षा मिशन | - |
| अंतिम पीडीएस अद्यतन | 24 अगस्त 2015 |

टीए 8787–आईएनडी

| उपलब्धियां | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अनुमोदन | हस्ताक्षर की तिथि | प्रभावी होने की तिथि | समापन | | |
| | | | मूल | संशोधित | वास्तविक |
| 12 दिसम्बर 2014 | | 12 दिसम्बर 2014 | 31 दिसम्बर 2015 | | |

| वित्तपोषण योजना/टीए उपयोग | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | संचयी संवितरण | |
| एशिया विकास बैंक | सहवित्तपोषण | प्रतिपक्ष | | | | योग | तिथि | राशि |
| | | | सरकारी लाभार्थी | परियोजना प्रायोजक | अन्य | | | |
| 225,000.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 225,000.00 | 12 Dec 2014 | 0.00 |

परियोजना डेटा शीट्स (पीडीएस) में परियोजना अथवा कार्यक्रम पर संक्षिप्त जानकारी दी गई है : क्योंकि पीडीएस प्रगति–में–कार्य होता है, इसके आरंभिक पाठ में कुछ जानकारी सम्मिलित नहीं होना संभव है, परंतु यह उपलब्ध होते ही जोड़ दी जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में जानकारी अनंतिम एवं संकेतात्मक है।

एशिया विकास बैंक इस परियोजना डेटा शीट (पीडीएस) में दी गई जानकारी इसके उपयोगकर्ताओं के लिए, किसी भी प्रकार के आश्वासन रहित ससाधन मात्र के रूप में उपलब्ध कराता है। यद्यपि एशिया विकास बैंक उच्च गुणवत्ता की विषयवस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास करता है, तदपि जानकारी विपण्यता, विशेष प्रयोजन हेतु उपयुक्तता और अनतिक्रमण की सीमांकन वारंटियों सहित किसी भी प्रकार की वारंटी, अभिव्यक्त अथवा अभिप्रेत, के बिना "जैसी है" आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। एशिया विकास बैंक ऐसी जानकारी की सटीकता अथवा पूर्णता के संबंध में विनिर्दिष्ट रूप से कोई वारंटी अथवा अभिवेदन प्रस्तुत नहीं करता है।